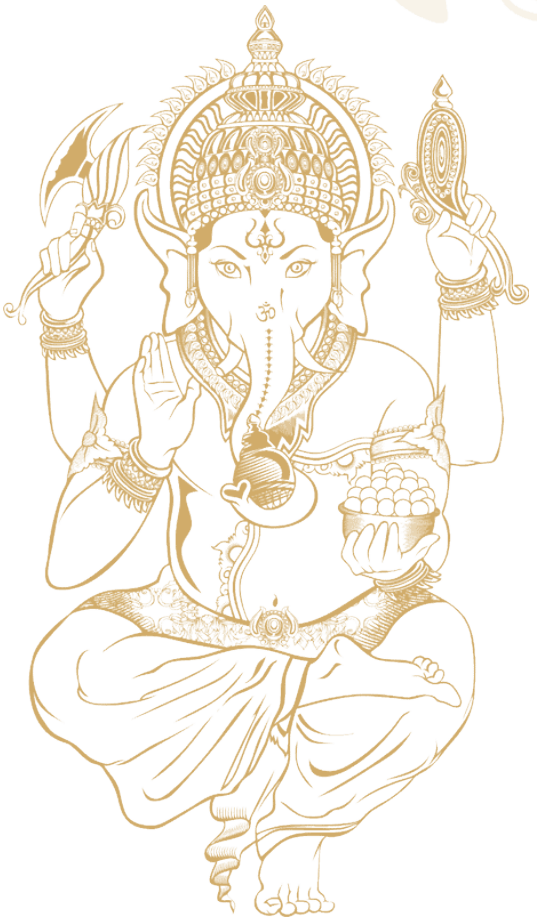

Arjav Kajal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121040905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/12/2000	जन्म तिथि	31/08/2002
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:05:00	जन्म समय	07:15:00 घंटे
घटी 00:15:52	जन्म समय(घटी)	03:16:50 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Aligarh
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	27:54:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	78:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:58:39	सूर्योदय	05:55:43
17:21:13	सूर्यास्त	18:40:01
23:51:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 4वर्ष 6मा 28दि	19:52:56	वृश्चि	लग्न	कन्या	00:15:00	चन्द्र 7वर्ष 6मा 24दि
बुध	19:21:26	वृश्चि	सूर्य	सिंह	13:36:32	राहु
04/07/2024	29:31:05	कुंभ	चंद्र	वृष	13:14:40	25/03/2017
04/07/2041	25:02:55	कन्या	मंगल	सिंह	07:02:29	26/03/2035
बुध 30/11/2026	08:00:34	वृश्चि	बुध	कन्या	10:42:05	राहु 06/12/2019
केतु 28/11/2027	11:20:24	वृष व	गुरु	कर्क	12:25:05	गुरु 01/05/2022
शुक्र 27/09/2030	02:15:55	मक	शुक्र	कन्या	29:15:43	शनि 07/03/2025
सूर्य 04/08/2031	02:23:11	वृष व	शनि	मिथु	03:40:12	बुध 24/09/2027
चन्द्र 02/01/2033	22:08:49	मिथु व	राहु व	वृष	19:56:31	केतु 12/10/2028
मंगल 31/12/2033	22:08:49	धनु व	केतु व	वृश्चि	19:56:31	शुक्र 13/10/2031
राहु 19/07/2036	23:40:55	मक	हर्ष व	कुंभ	02:31:44	सूर्य 05/09/2032
गुरु 25/10/2038	10:37:15	मक	नेप व	मक	14:56:41	चन्द्र 07/03/2034
शनि 04/07/2041	18:53:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:01:00	मंगल 26/03/2035

लग्न-चलित

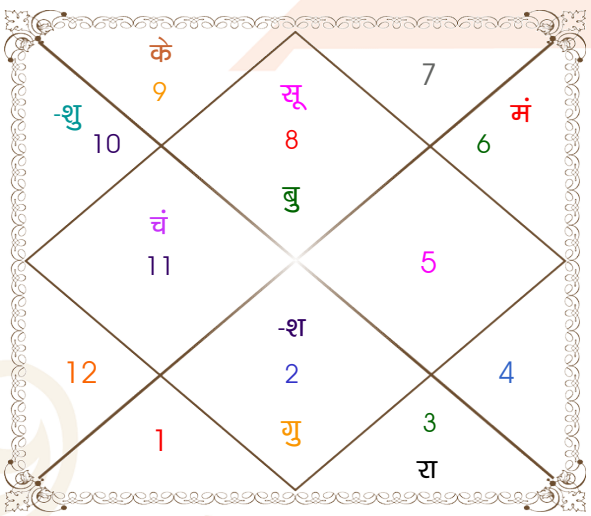

लग्न-चलित

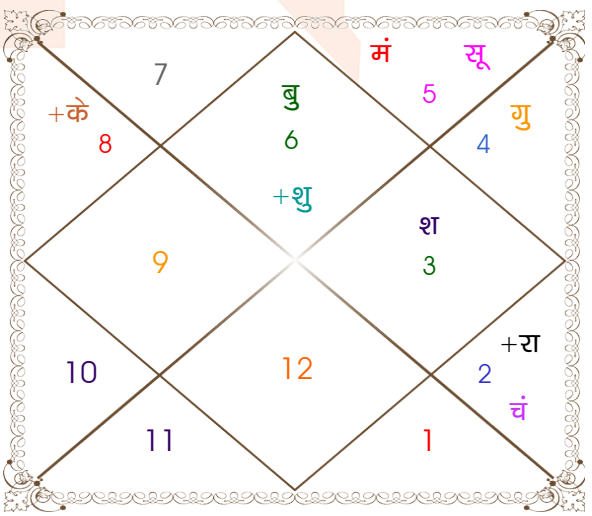

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

।तरंअ का वर्ग सर्प है तथा झंरंस का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।तरंअ और झंरंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।तरंअ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

झंरंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।तरंअ कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।तरंअ तथा झंरंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।